शेल गैस

शेल गैस देश में ऊर्जा के एक महत्वपूर्ण नए स्रोत के रूप में उभर सकता है । भारत में कई शेल संरचनाएं हैं जो शेल गैस को धारित किए प्रतीत होती हैं । शेल गैस संरचनाएं विभिन्न तलछटीय बेसिनों में फैली हुई हैं जैसे कि कॉम्बे, गोंडवाना, कृष्णा गोदावरी और कावेरी जमीनी क्षेत्र । सरकार ने 14 अक्टूबर, 2013 को ''नामांकन व्यवस्था 'के तहत राष्ट्रीय तेल कंपनियों द्वारा शेल गैस और तेल के अन्वेषण एवं अवशोषण के नीतिगत दिशानिर्देश'' जारी किए हैं । इस नीति के तहत, शेल गैस और तेल के दोहन संबंधी अधिकार, नामांकन व्यवस्था के तहत प्रदान किए गए पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस (पी ई एल) / पेट्रोलियम खनन पट्टे (पी एम एल) धारक राष्ट्रीय तेल कंपनियों के अधिकार क्षेत्र में रहेंगे । ओ एन जी सी द्वारा शेल गैस / शेल तेल के अन्वेषण के लिए गुजरात के कॉम्बे बेसिन में एक कूप का वेधन आरंभ कर दिया गया है । प्रस्तावित एकरूप लाइसेंसिंग नीति के तहत निजी / संयुक्त उद्यम कंपनियों द्वारा शेल गैस / शेल तेल के अन्वेषण कार्य को करने को अनुमत करने की परिकल्पना की गई है । मौजूदा स्थिति के अनुसार, देश में शेल गैस के किसी प्रकार के वाणिज्यिक उत्पादन नहीं किए जा रहे हैं ।

विभिन्न एजेंसियों ने भारत के चयनित तलछटीय बेसिनों / उप बेसिनों में शेल गैस / तेल संसाधनों की क्षमता का अनुमान लगाया है । ब्यौरे निम्नानुसार हैं :

I. मेसर्स स्कलम्बर्गर : देश के लिए 300 से 2100 ट्रिलियन घन फुट शेल गैस संसाधन ।
II. वर्ष 2011 में एनर्जी इनफोरमेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ई आई ए), संयुक्त राज्य अमरीका : 4 बेसिनों (कॉम्बे जमीनी, दामोदर, कृष्णा गोदावरी जमीनी और कावेरी जमीनी) में 290 ट्रिलियन घन फुट शेल गैस ।
III. वर्ष 2013 में एनर्जी इनफोरमेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ई आई ए), संयुक्त राज्य अमरीका : 4 बेसिनों (कॉम्बे जमीनी, दामोदर, कृष्णा गोदावरी जमीनी और कावेरी जमीनी) में 584 ट्रिलियन घन फुट शेल गैस और 87 बिलियन बैरल शेल तेल ।
IV. ओ एन जी सी : 5 बेसिनों (कॉम्बे जमीनी, गंगा वैली, असम और असम अराकान, कृष्णा गोदावरी जमीनी और कावेरी जमीनी) में 187.5 ट्रिलियन घन फुट शेल गैस ।
V. केंद्रीय खनन् योजना और डिजायन संस्थान (सी एम पी डी आई) : 6 उप बेसिनों (झारिया, बोकारो, उत्तरी करनपुरा, दक्षिणी करनपुरा, रानीगंज और सोहागपुर) में 45 ट्रिलियन घन फुट शेल गैस ।

VI. यूनाईटेड स्टेट्स ज्योलॉजिकल सर्वे (यू एस जी एस) ने भी 3 बेसिनों (कॉम्बे जमीनी, कृष्णा गोदावरी जमीनी और कावेरी जमीनी) में 6.1 ट्रिलियन घन फुट तकनीकी रूप से प्राप्य शेल गैस का अनुमान लगाया । इसके अलावा, यू एस जी एस ने सूचित किया कि इन बेसिनों में शेल तेल की भी क्षमता है ।